Sanskritik aur Samajik Anusandhan
www.shodhjournal.com
ISSN: 2582-5852
Received: 15-09-2025, Accepted: 14-10-2025, Published: 30-10-2025
Volume 6, Issue 2, 2025, Page No. 22-24

छत्तीसगढ़ में महिला उद्यमिता नीति अवसर और चुनौतियॉ

मन्ना राम पटेल
सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, शासकीय एस.एन.जी. महाविद्यालय, मुंगेली, छत्तीसगढ़, भारत

सारांश
प्रस्तुत भोध में छत्तीसगढ़ में महिला उद्यमिता नीति अवसर और चुनौतियॉ को रेखांकित करते हुए वर्तमान में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के तहत समावेशी विकास, आत्मनिर्भर एवं निरंतर प्रगतिशील अर्थव्यवस्था के निर्माण की ओर कदम बढ़ाते हुए हाल ही में राज्य सरकार ने महिलाओं की कार्यकुशलता को नई पहचान देने, उन्हे उद्यम से जोड़ने, उनकी सहभागिता उद्यम में सुनिश्चित करने, उद्यम स्थापित कर उन्हे आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला उद्यमिता नीति 2023–28 लागू की है। इसके अंतर्गत इस नीति के अंतर्गत प्रमुख उद्देश्य, मुख्य रणनीति, प्रमुख प्रावधान का व्याख्या करते हुए प्रस्तुत शोध पत्र में छत्तीगढ़ में महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर व चुनौतियॉ व चुनौतियों से निपटने के सुझावों के साथ सांगोपांग विश्लेषण किया गया है।

मूल शब्द: समावेशी विकास, आत्मनिर्भर, निरंतर प्रगतिशील, सहभागिता, उद्यम, स्वावलम्बी, स्आर्टअप, अनुदान, छूट एवं रियायतों

प्रस्तावना

राज्य की कुल आबादी में से लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व महिलाऍ करती है। किसी भी राष्ट्र/राज्य के आर्थिक विकास में महिलाओं की सहभागिता महत्वपूर्ण होती है। अर्थव्यस्था में महिलओं की भागीदारी को शसक्त किये जाने के लिए पृथक से प्रोत्साहन प्रदान किये जाने की आवश्यकता प्रतीत हो रहा है। राज्य की अर्थव्यस्था में मातृशक्ति की उद्यमिता सर्वविदित है। इसे रेखांकित किये जाने तथा समाज में इसके महत्व को अधिक स्वीकार्य प्रदान किये जाने के लिए इस नीति में अनेक प्रावधान किये जा रहे है। वर्तमान में औद्योगिक/उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है।

अत: राज्य में आर्थिक एवं सामाजिक समृद्वि हेतु यह आवश्यक है कि महिलाऍ आर्थिक दृष्टि से स्वालम्बी हो, आत्मनिर्भर हो , उनकी कार्यक्षमता का पूर्ण उपयोग हो, इस हेतु राज्य शासन की ओर से आर्थिक प्रोत्साहन व समर्थन प्रदान की जा रही है।
बहरहाल इन्ही उद्देश्यों को पूरा करने के लिए महिला समूहों, महिला उद्यमियों, महिला व्यावसायियों एवं महिला स्आर्टअप हेतु छत्तीसगढ़ महिला उद्यमिता नीति 2023–2028 लागू की जा रही है।

उद्देश्य

- प्रचलित औधोगिक नीति 2019–24 के उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक उन्नति एवं आर्थिक सशक्तिकरण का क्रियान्वयन किये जाने हेतु।
- महिलाओं में उद्यमिता एवं कौशल विकास का सृजन करना ताकि महिलायें स्वयं का उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने के साथ–साथ रोजगार प्रदाता की भूमिका निभा सके।
- राज्य की महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सृदृढ़ करना।
- महिला श्रमशक्ति को प्रशिक्षित करना।
- कृषि संबधी सहायक उद्योग/व्यवसाय कुटीर उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों से संबधित गतिविधियों को बढ़ावा देना।

प्रमुख रणनीति

- **विशेष आर्थिक निवेश प्रोत्साहन:** जिसके अंतर्गत अनुदान, छूट एवं रियायतों के अतिरिक्त उद्यमिता में सुगमता के लिए राज्य के सभी विभागों में शासकीय नियमों एवं प्रावधानों में आवश्यक निर्बाधन किया जाने का प्रावधान है।
- राज्य के सभी जिला एवं उद्योग केन्द्रों में महिला उद्यमिता प्रकोष्ठ की स्थापना की जावेगी, जहॉ राज्य में संचालित योजनाओं की जानकारी सुलभ करायी जायेगी।
- विभाग के पोर्टल में महिला उद्यमिता से संबधित सभी प्रोत्साहन प्रदान करने की जानकारी एक स्थान पर सिंगल विंडों सिस्टम द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी।
- नीति के क्रियान्वयन हेतु वाणिज्य एवं उद्योग विभाग नोडल होगा।
- महिलाओं में कौशल एवं उद्यमिता विकास हेतु जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन होगा।
- महिला द्वारा संचालित स्आर्टअप को बढ़ावा देने हेतु प्रभावशील तंत्र का विकास व अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया जावेगा।

प्रमुख प्रावधान

- इस नीति के तहत महिलाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। इससे महिला कार्यबल में वृद्वि होने के साथ ही उद्योग एवं व्यापार में उनकी सहभागिता बढ़ेगी।
- इस नीति से महिलाओं के द्वारा शुरू किये गए स्आर्टअप की संख्या में तेजी से इजाफा होगा।
- इस नीति के तहत राज्य की महिला उद्यमी को विनिर्माण उद्यम परियोजनाओं के लिए अधिकतम 50 लाख रूपए, सेवा उद्यम परियोजना के लिए अधिकतम 25 लाख रूपए, और व्यवसाय उद्यम परियोजना के लिए अधिकतम 10 लाख रूपए तक ऋण देने का प्रावधान रखा गया है।
- इस नीति के तहत महिला उद्यमियों द्वारा प्रदेश में स्थापित नवीन, विस्तारीकरण, सरलीकृत पात्र, सूक्ष्म, लघु, एवं मध्यम विनिर्माण व सेवा उद्यमों को आर्थिक निवेश प्रोत्साहन प्रदान किया जायेगा।
- नए उद्ययमों की सीापना के लिए 50 प्रतिशत अधिकतम 75 लाख रूपय मार्जिन मनी अनुदान, नेट राज्य वस्तु एवं सेवा कर, प्रतिपूर्ति वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के दिनांक से 6 से 16 वर्षों तक विद्युत शुल्क से छूट, वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने के दिनांक से 6 से 12 वर्षो तक पूर्ण छूट और

उक्त के अतिरिक्त स्आंप शुल्क से छूट, परिवहन अनुदान, मंडी शुल्क से छूट, किराया अनुदान दिये जाने का भी प्रावधान किया गया है।

- महिला स्व–सहायता समूहों को अतिरिक्त आर्थिक निवेश को प्रोत्साहन के रूप में अनुदानों में 5 प्रतिशत का अतिरिक्त अनुदान और छूट के मामलों में 1 वर्ष की अतिरिक्त समयावधि दी जाएगी।
- महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट–अप उद्यमों को औद्योगिक नीति 2019–24 के घोषित स्आर्टअप पैकेज में 5 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान एवं छूट के मामलों में एक वर्ष अतिरिक्त छूट का प्रावधान किया गया है।
- विदित है कि छत्तीसगढ़ सरकार हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नई योजनाओं के निर्माण के साथ ही उन्हे प्रोत्साहन दे रही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लघु और कुटीर उद्योग में बड़ी संख्या में महिलाएँ कर रही है। इसके साथ ही स्व सहायता समूह के माध्यम से गौठानों, वनोपज संग्रहण सहित अन्य क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएँ राज्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

छत्तीगढ़ में महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर

- **डिजिटल प्लेटफॉर्म:** ई–कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, और आनलाईन शिक्षा जैसी डिजिटल प्लेटफॉर्म महिलाओं के लिए नई रोजगार और व्यावसायिक अवसर पैदा कर रहे है।

- **पर्यटन:** छत्तीसढ़ में पर्यटन का तेजी से विकास हो रहा है। महिलाएँ होम स्टे, टूर आपरेटर, और सीनीय कला और शिल्प के विक्रेता के रूप में अवसरों का लाभ उठा सकती है।

- **स्टार्ट–अप और नवाचार:** छत्तीसगढ़ में स्टार्ट–अप संस्कृति का उदय हो रहा है।। महिलाएँ नवाचार और तकीनकी उद्यमों में अपनी भूमिका निभा सकती है।

- **विर्निमाण क्षेत्र:** चमड़े के उत्पाद, मोल्डिंग ;जिसमें कंघी, छाता, फ्रेम, प्लास्टिक के खिलौने आदि जैसे उत्पाद शामिल है), प्राकृतिक सुंगध और स्वाद, ऊर्जा, कुशल पंप, फर्नीचर लकड़ी के उत्पाद, साइकिल के पुर्जे, रबर उत्पाद, आटो पार्टस कंपोनेंटः– जिसमें हार्न बटन, डोर चैनल, वाइपर ब्लेड, कंपोनेंट बैटरी सेल, टेस्टर आदि शामिल है, कठोर धातु के बर्तन, चीनी मिट्टी के बर्तन, कांच के उत्पाद, छत की टाइले, फर्श की टाइलें ग्रेनाईट आदि शामिल है, पौधे के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व, एक्टिव फार्मास्युटिकल सामाग्री और आयुर्वेदिक उत्पाद, खादी उत्पाद और होजरी उत्पाद, कागज से बनी छपाई और अन्य उत्पाद, क्यावर उद्योग आदि क्षेत्रों में महिलाओं के लिए भरपूर अवसर है।

- **सेवा/व्यवसाय उद्यम गतिविधि क्षेत्र:** कम्प्यूटर/मोबाईल रिपेयरिंग सेंटर, विभिन्न इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी/आईटीएस उत्पादों का व्यवसाय एवं सर्विसिंग सेंटर, झूलाघर, ब्यूटीपार्लर एवं स्पा सेवाएँ, महिलाओं द्वारा संचालित रेस्टोरेंट /टिफिन सर्विस, ढाबा एवं बेकरी हाउस, फोटो कापी सेंटर/साइबर कैफे। डेस्कटॉप सर्विसेस, लेडिस टेलरिंग शॉप एवं प्रशिक्षण संस्थान, कोचिंग इंस्टीट्यूट, महिलाओं द्वारा संचालित ई–रिक्शा, लॉन्ड्री एवं ड्रायक्लिनर्स सर्विसेस, बुटीक/सिलाई/कढ़ाई/हस्तशिल्प प्रशीक्षण केन्द्र एवं सेवाएँ, सेक्योरिटी गार्ड सर्विसेस, काल सेंटर, उद्योगो के लिए संचालित टेस्टिंग लैब, फोटो स्टूडियो, एवं फिल्म एडिटींग एवं सर्विसींग सेंटर, केबल टीवी सर्विस प्रोवाइडर, ग्रामोद्योग एवं हैंडीक्राफ्ट से संबधित उद्योग, प्रिंटिंग प्रेस, प्लेसमेंट एवं मैनेजमेंट सर्विसेस, इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी, टेंट एवं केटरिंग सर्विसेस, महिलाओं के लिए संचालित जिम, योग केन्द्र से संबधित गतिविधियॉ, संगीत/कला प्रशिक्षण केंद्र, कुरियस सर्विस आदि क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अपार संभावनाएँ है।

महिलाओं उद्यमिता के समक्ष चुनौतियॉ

वित्तीय बाधाएँ: छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करना, खासकर महिलाओं के लिए, एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि बैंक आसानी से महिलाओं को ऋण उपलब्ध नहीं कराती है। बैंक के बड़े जटिल प्रकिया भी, जो महिला उद्यमी के समक्ष सबसे बड़ी बाधा है।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक बाधाएँ: सामाजिक समस्या महिला के लिए सबसे बड़ी बाधा है। पुरूष से बराबरी करने पर उसे हेय दृष्टि से देखा जाता है कई प्रकार के ताने–बाने समाज द्वारा बुने जाते है। कई सामाजिक कुरितीयॉ समाज केवल नारी के लिए बना रखा है। नारी की दोहरी भूमिका की समस्या, पारिवारिक जिम्मेदारियॉ, कार्य क्षेत्र में बराबरी, प्रतिश्ठा की लड़ाई की समस्या आदि ये सब समाज परोसता है। जिसके कारण से महिलाएँ उद्यमिता के क्षेत्र में नहीं आ पाती।

वैचारिक पिछड़ेपन की समस्या: जब महिला को घर से बाहर जाने व दुनिया से परिचित ना होने दिया जाए तो आप कैसे उम्मीद करते हो कि विश्व व्यापी समस्या पर या उद्यमिता के बारे सोचेगी।

मार्केटिग और नेटवर्किंग: अपने व्यवसाय को बढ़ावा देना और नेटवर्किंग के अवसरों का लाभ उठाना महिला उद्यमियों के लिए एक बड़ी चिंता का सबब है।

सही बिजनेस विचार ढूँढना: सही बिजनेस आइडिया की पहचान करना उद्यमियों के सामने आने वाली कई चुनौतियों में से एक है। इसका कारण है अपार संभावनाएँ और बाजार में स्वीकृति की अनिश्चितता।

कर्मचारियों की नियुक्ति एवं प्रबंधन: अपनी कंपनी की माहौल के साथ फीट होने वाले आवश्यक दक्ष, कुशल व योग्य कर्मचारियों को काम पर रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। गलत नियुक्ति निर्णयों के बड़े परिणाम हो सकते है।

बाजार प्रतिस्पर्धा: बाजार में प्रवेश मतलब अनेक प्रतिस्पर्धा का सामना करना है ब्रांड पहचान, बड़े कम्पनियों के साथ प्रतियोगिता, विपणन आदि की समस्या को जन्म देती है। इसके अलावा अपने उत्पादों या सेवाओं में नवीनता लाने और उन्हें अलग पहचान दिलाने की निरंतर मांग आपके संसाधनों और रचनात्मकता पर दबाव डाल सकती है।

परिवर्तन के प्रति अनुकूलता: उपभोक्ता की समय के अनुसार नई–नई मांग के कारण व्यापक बदलाव व निरंतर परिवर्तन अनिश्चितता और तनाव का कारण बनता है। यदि आप अनुकूलन नहीं कर पाते हैं तो आप उन प्रतिस्पर्धियों से पीछे रह जाएंगे।

व्यवसाय का विस्तार: जैसे–जैसे आपका व्यवसाय बढ़ता है सेवा और उत्पाद की गुणवत्ता का वही स्तर बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

स्मय प्रबंधन, स्केलिंग चुनौतियॉ, विपणन और बिक्री, विनियामक चुनौतियॉ, मार्गदर्शन का अभाव, अपर्याप्त बुनियादी संरचना आदि समस्याऍ भी चुनौतियॉ का सबब बना हुआ है।

महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए किये जा रहे प्रयास/कार्यक्रम

- छत्तीसगढ़ सरकार की अनेक योजनाऍ एवं कार्यक्रम जैसेः–नई औद्योगिक नीति, रूरल इंड्रस्ट्रियल पार्क, बैंक सखी योजना, जिला खनिज न्यास निधि बोर्ड में महिलाओं की सहभागिता, बीसी सखी, दंतेश्वरी फाईटर्स, गोधन न्याय योजना के माध्यम से गौठानों में महिलाओं की भागीदारी, डेनेक्स गारमेंट फैक्टरी से डेनेक्स एक विदेशी ब्रांड बन चुका है। पिछले वर्ष के बजट में महिलओं को विभिन्न योजनाओं के लिए 12 करोड़ का ऋण माफ, महिला कोष के लिए पर्याप्त ऋण सुविधा, उद्यमिता नीति के तहत प्रोत्साहन, राशनकार्ड और मकान महिलाओं के नाम, सखी सेंटर, महिला स्व सहायता समूहों को अनेक प्रकार का प्रोत्साहन आदि।
- सही बिजनेस विचार से अपनी शक्तियों, रूचियों और कौशलों को पहचानें, क्योंकि ये एक स्थायी व्यवसायिक विचार के आधार प्रदान कर सकतें है।
- व्यापक बाजार अनुसंधान करनाए SWOT विश्लेशण जैसी तकनीके, जो ताकत, कमजोरी, अवसर औरजैसी तकनीके, जो ताकत, कमजोरी, अवसर और खतरे सें सबधित है।
- धन की कमी की चुनौतियों से निपटने के लिए क्राउड फंडिग, एंजल इन्वेस्टर्स और वेंचर कैपिटल जैसे वैकल्पिक फंडिग विकल्पों की खोज करें।
- एक व्यापक व्यवसाय योजना बनाऍ और आप अपनी कंपनी की ताकत एवं बाजार की क्षमता और वित्तियी पूर्वानुमानों पर ध्यान केंद्रित कर सकतें है।
- नेटवर्किंग यहॉ महत्पपूर्ण है। फंडिक के अवसर पैदा करने के लिए संभावित निवेशकों और उद्योग के पेशेवरों के साथ संबध बनाऍ।
- बूटस्ट्रैपिंग पर विचार करें अपनी बचत का उपयोग करें या व्यवसाय के मुनाफे को फिर से निवेश करें।
- योग्य एवं कुशल मानव संसाधनों की नियुक्ति और प्रत्येक की भूमिका व कर्त्तव्य स्पष्ट और सटीक करें।
- एक समावेशी और सहायक कार्य वातावरण बनाने के लिए खुले संचार को बढ़ावा दें और नियमित प्रतिक्रिया दे।

- **प्रतिस्पर्धा का विपणन:** विस्तृत बाजार अनुसंधान से शुरूवात करें ताकि उन कमियों और अवसरों का पता लगाया जा सके जिन्हें अन्य लोग चूक गए हो।
- डिजीटल मार्केटिंग, ई–कार्मस, सोशल साइट, ग्रुप सर्किल आदि का निर्माण करें जिससे उत्पाद की बिक्री आसानी से हो साथ बेहतर ग्राहक सेवा या आकर्षक मूल्य निर्धारण प्रदान करने पर काम कर सकते है।

- **उद्यमी परिवर्तनों के प्रति शीघ्रता से अनुकूलन:** इस चुनौती से निपटने के लिए उद्योग के रूझानों और नई तकनीकों के बारे में खुद को अपडेट रखें। इससे आपको बदलावों का पूर्वानुमान लगाने और आगे की योजना बनाने में मदद मिलेगी।
- **समय का प्रभवी प्रबंधन:** स्पष्ट लक्ष्य और प्राथमिकताऍ निर्धारित करें तथा जटिल कार्यों को छोटे एवं व्यावहारिक चरणों में विभाजित करें।

- **प्रशिक्षण:** व्यावसायिक प्रबंधन, मार्केटिंग और तकनीकी कौशल के विकास के लिए निंरतर कर्मियों को प्रशिक्षण दी जाये।
- अपने उत्पाद का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार, विज्ञापन आदि के लिए अनेक मंचों का इस्तेमाल करें।

छत्तीसगढ़ में महिला उद्यमिता का भविष्य

डिजीटल परिर्वतन: यह प्लेटफार्म महिलाओं के लिए व्यावसायिक अवसरों को तेजी से बढ़ा रहा है। नवाचार और तकनीकी का उपयोग महिला उद्यमियों को अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बनने में मदद कर रहा है। सरकारी सहायता और सरकार की सभी योजना एक सिंगल विंडों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहे है जिससे महिलाऍ आत्मनिर्भर बन रही है।

आगे की राह

यदि छत्तीसगढ़ महिला उद्यमिता नीति का क्रियान्वयन ग्रामीण से शहरी, वंचित, दलित, निम्न तबके के महिलाओं तक सही तरिके से प्रसार हो, उनको नियमित प्रशीक्षण, वित्त संसाधनों की उपलब्धता, मार्केटिंग, नेटवर्किंग, डिजीटल मार्केटिंग, विनियामक प्रकिया में शिथिलता, सरल सहल सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी योजनाओं व सरकारी सहायता की जानकारी व जागरूकता उपलब्धता कराया जाय व इस नीति को सही अमलीजामा पहना दिया जाय तो वह दिन दूर नहीं जिस दिन छत्तीसढ़ की कई महिला अपनी उद्यमिता के बल पर पूरे विश्व में अपनी झंडा गाडेंगी। और उद्यमी महिला का मिशाल बनेगी। आवश्यकता इस बात कि है कि शासन, प्रशासन, मिडीया, समाज, परिवार सभी को छत्तीसगढ़ महिला उद्यमिता नीति का ग्रास रूट तक क्रियान्वन करना होगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. उद्यमिता की दुनिया– डा0 विनोद कुमार,
2. उद्यमिता के सिद्वांत और प्रथाऍ– प्रों.राजेन्द्र प्रसाद
3. उद्यमिता की चुनौतियॉ एवं अवसर–डा0 विजय कुमार
4. कैरियर मार्गदर्शिका– जिला प्रशासन मुंगेली छत्तीसगढ़
5. दृष्टि आईएएस त्रैमासिक पत्रिका
6. नई दुनिया, नवभारत, दैनिक भास्कर, पत्रिका के सम्पादकीय
7. जनमन छत्तीगढ़ शासन की मासिक पत्रिका
8. छत्तीगढ़ महिला उद्यमिता नीति 2023–28
9. छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति 2024–29
10. उद्यमिता दर्पण, छत्तीसगढ़ उद्यमिता पत्रिका, व्यावसायिक दर्पण